रविवार , 08 नवंबर 2026, ठाणे, मुंबई

दैनिक
सिटी न्यूज
सच का जोश
मुंबई

वर्ष - 15 • अंक - 73 CITY NEWS MUMBAI







AI में आत्मनिर्भर बनाएगी IIT: केंद्र सरकार दे रही प्रोत्साहन, देश को आत्मनिर्भर बनाने की ऐसी है तैयारी

देश के IIT संस्थान भारत को AI के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में जुट गए हैं। शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर नए एआई मॉडल, कोर्स और तकनीक विकसित किए जा रहे हैं। एआई में आत्मनिर्भर बनेगी भारतीय आईआईटी केंद्र सरकार से मिला विशेष प्रोत्साहन आईआईटी बीएचयू में शुरू होगा बीटेक आईआईटी गुवाहाटी ने बनाया स्मार्ट उपकरण स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र पर जोर देश के विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IITs) में AI और उभरती तकनीकों के विकास को लेकर आत्मनिर्भर बनाने पर तेजी से काम चल रहा है। रोबोटिक्स, डिजिटल प्रतिरूप, ऊर्जा-कुशल उपकरणों और स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर तकनीकी शिक्षा तक, आईआईटी भविष्य की जरूरतों के अनुसार नए अनुसंधान और नवाचार को लगातार बढ़ावा दे रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय ने दिए अपना-अपना AI मॉडल तैयार करने के निर्देश शिक्षा मंत्रालय ने इन सभी प्रमुख संस्थानों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के मुताबिक अपना खुद का एआई मॉडल तैयार करने को कहा है। अधिकारियों ने बताया कि सभी संस्थानों को इस दिशा में काम करने के लिए सरकार की ओर से विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य आधुनिक



तकनीक को वास्तविक जीवन की चुनौतियों से जोड़ना और देश में तकनीकी क्षमताओं को मजबूत बनाना है। IIT खड़गपुरः मशीन लर्निंग और बुद्धिमान रोबोटिक्स पर जोर आईआईटी खड़गपुर में बेंजामिन गुप्ता स्कूल ऑफ फिजिकल एआई की स्थापना की पहल के तहत भौतिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस क्षेत्र में भौतिक आधारित मशीन लर्निंग, डिजिटल ट्विन, बुद्धिमान रोबोटिक्स और स्वायत्त प्रणालियों पर काम किया जाएगा। इससे परिस्थितियों को समझने और काम करने वाली प्रणालियां विकसित होंगी। IIT कानपुर व मद्रासः स्वास्थ्य और कौशल विकास के अवसर आईआईटी कानपुर में चिकित्सा संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण, बेहतर निर्णय लेने में सहायता और डेटा विज्ञान के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर काम हो रहा है। वहीं आईआईटी मद्रास में मानव-केंद्रित कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र (AI) के अनुसंधान को बढ़ावा दे रहा है। 'स्वयं प्लस' जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से विद्यार्थियों, शिक्षकों और पेशेवरों के कौशल विकास के नए अवसर मिल रहे हैं। IIT बीएचयूः भौतिक AI पर शुरू होगा नया पाठ्यक्रम आईआईटी बीएचयू शैक्षणिक सत्र 2027-28 से 'भौतिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता' में चार वर्षीय बीटेक पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी कर रहा है। इस प्रस्तावित पाठ्यक्रम में रोबोटिक्स, संवेदक तकनीक और वास्तविक दुनिया में एआई के अनुप्रयोगों पर विशेष जोर होगा। इसके अलावा यार्डी स्कूल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से उन्नत एआई अनुसंधान को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

E20 पेट्रोल में 31.2% तक इथेनॉल, कर्नाटक की लैब जांच में बड़ा खुलासा, 5 में से 4 पेट्रोल पंप फेल, घटा माइलेज!

कर्नाटक सरकार की लैब जांच में E20 पेट्रोल के कुछ सैंपलों में 31.2% तक इथेनॉल मिलने का दावा किया गया है। तेल कंपनियों ने जांच की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। कर्नाटक सरकार की लैब जांच में E20 पेट्रोल में 31.2% तक इथेनॉल मिलने का दावा। पेट्रोल पंपों से पेट्रोल के कुल 63 सैंपल इकट्ठा किए थे। मंत्री रिजवान अरशद ने केंद्र सरकार से इस मामले में दखल देने का आग्रह किया। केंद्र सरकार पर इथेनॉल में मिलावट का आरोप लगाया जा रहा है। केंद्र सरकार E20 में भी हेरफेर कर रही है। E20 के नाम पर 31.2% तक इथेनॉल मिलाया जा रहा है। यह खुलासा कर्नाटक सरकार द्वारा कराई लैब जांच में हुआ है। राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामलों के मंत्री रिजवान





अरशद ने लैब रिपोर्ट सार्वजनिक करते हुए इसे उपभोक्ताओं के साथ सीधी धोखाधड़ी और E20 के नाम पर 420 करार दिया है। इथेनॉल ब्लेंडिंग को लेकर सरकार को लगातार शिकायतें मिल रही थीं। पंपों से पेट्रोल के कुल 63 सैंपल की जांच इसके बाद सरकार ने अलग-अलग जिलों में स्थित पेट्रोल पंपों से पेट्रोल के कुल 63 सैंपल इकट्ठा किए थे। सरकार ने सैंपल संबंधित सरकारी व निजी तेल कंपनियों की अपनी लैब में भेजे और उनसे स्पष्ट रिपोर्ट मांगी कि पेट्रोल में इथेनॉल का सटीक प्रतिशत कितना है लेकिन, किसी भी तेल कंपनी ने इथेनॉल की वास्तविक मात्रा को लेकर स्पष्ट और पारदर्शी जवाब नहीं दिया। तेल कंपनियों के इस टालमटोल वाले रवैये के बाद सरकार ने इन सैंपलों की जांच अधिकृत प्राइवेट लैब्स से कराई। उसका दावा है कि अगर इथेनॉल ब्लेंडिंग के कारण गाड़ियों का माइलेज 10% तक घटता है, तो हर साल लगभग 62,000 करोड़ का नुकसान हो सकता है। 5 में से 4 पेट्रोल पंप फेल लैब की जांच रिपोर्ट के आंकड़े बेहद चौकाने वाले हैं। जांचे गए 63 सैंपलों में से कर्नाटक के 7 जिलों से लिए गए नमूनों में इथेनॉल की मात्रा 20% की तय वैधानिक सीमा से कहीं अधिक पाई गई। सर्वे के निष्कर्ष के अनुसार राज्य के प्रत्येक 5 में से 4 पेट्रोल पंपो पर तय सीमा से अधिक इथेनॉल मिला पेट्रोल बेचा जा रहा था। किसी भी पेट्रोल पंप के सैपल में सटीक 20% इथेनॉल का मानक नहीं मिला। 40% तक घट गया माइलेज विशेषज्ञों के अनुसार इथेनॉल मिलावट के कारण गाड़ियों का माइलेज 30 से 40 प्रतिशत तक घट रहा है।

अभिषेक को मारने के लिए किसके पास समय है, हमले के आरोपों पर दिलीप घोष का तंज, बोले- उनके साथ बहस कौन करेगा





अभिषेक बनर्जी के आवास पर कथित हमले को लेकर दिलीप घोष ने पलटवार किया। राहुल गांधी की बहस की चुनौती, बंगाल में SIR और CJP प्रदर्शन पर भी बयान दिया। अभिषेक बनर्जी के आवास पर कथित हमले को लेकर दिलीप घोष ने पलटवार किया। राहुल गांधी की बहस की चुनौती, बंगाल में SIR और CJP प्रदर्शन पर भी बयान दिया। कॉकरोच जनता पार्टी ने 7 नवंबर को केरलम के कोच्चि में प्रदर्शन का ऐलान किया है। पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री दिलीप घोष ने AITMC (ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस) के सांसद अभिषेक बनर्जी के आवास पर कथित हमले के आरोपों पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अगर वे रात में हंगामा करेंगे, तो कोई न कोई जवाब देगा ही। घोष ने अभिषेक बनर्जी पर लोगों को गुमराह करने का भी आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल में अपने जन्मदिन पर हमले के आरोपों को लेकर टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर, मंत्री दिलीप घोष कहते हैं, "अगर वे रात में वहां हंगामा करेंगे, तो कोई न कोई तो जवाब देगा ही।

तेल कंपनियों ने E20 ईंधन की गुणवत्ता मानकों की पुष्टि की, कर्नाटक सरकार के दावों को लेकर उठाए सवाल



तेल कंपनियों ने संयुक्त बयान में कर्नाटक सरकार के दावों का खंडन किया है। बयान में कहा कि उनके द्वारा सप्लाई किया जा रहा E20 पेट्रोल भारतीय मानक ब्यूरो के मानक IS 17021 के अनुरूप है। E20 को लेकर तेल कंपनियों ने कर्नाटक सरकार के दावों का खंडन किया कंपनी ने कहा- इथेनॉल की मात्रा 19 से 21 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए। उन्होंने कर्नाटक सरकार की लैब रिपोर्ट पर सवाल उठाया।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड- इन तीन सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (OMCs) ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने कर्नाटक सरकार के खाद्य, नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और विधिक माप विज्ञान विभाग द्वारा जारी उस प्रेस विज्ञप्ति पर ध्यान दिया है, जिसमें दावा किया गया है कि राज्य के कुछ खुदरा केंद्रों पर बेचे जाने वाले पेट्रोल में 26% से 31% तक इथेनॉल है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग का करीबी हैरी बॉक्सर अमेरिका में गिरफ्तार, अब भारत लाने की तैयारी

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग और रणवीर सिंह से 20 करोड़ की रंगदारी मांगने वाला हैरी बॉक्सर अमेरिका में पकड़ा गया। बॉक्सिंग कोच कैसे बना लॉरेंस बिश्नोई गैंग का चेहरा। अमेरिकी एजेंसियों ने हैरी बॉक्सर को हिरासत में लिया। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के करीबी और राजस्थान के पूर्व बॉक्सिंग कोच है हैरी बॉक्सर फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग आरोप अभिनेता रणवीर सिंह से 20 करोड़ रुपये की फिरौती मांगने का आरोप। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के करीबी और विदेश में बैठकर आपराधिक नेटवर्क संचालित करने वाले हैरी बॉक्सर को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है। उसका नाम फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के जुहू स्थित घर पर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी लेने, अभिनेता रणवीर सिंह को धमकी देने और रंगदारी मांगने के मामलों में सामने





आया है। मुंबई पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसियों के लिए अब सबसे बड़ी चुनौती उसे अमेरिका से भारत लाना है। सवाल है कि आखिर एक पूर्व बॉक्सिंग कोच कैसे लॉरेंस बिश्नोई गैंग का अहम चेहरा बन गया और उसके खिलाफ क्या-क्या आरोप हैं? कौन है हैरी बॉक्सर? हैरी बॉक्सर का असली नाम हरि चंद जाट है। वह राजस्थान के अलवर जिले के नारायणपुर गांव का रहने वाला है। उसने बॉक्सिंग की ट्रेनिंग ली थी और जयपुर में बॉक्सिंग कोच के रूप में भी काम किया। बाद में वह अपराध की दुनिया में आ गया। उसके खिलाफ राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में रंगदारी, लूट और हत्या के प्रयास जैसे कई मामले दर्ज बताए जाते हैं। रोहित शेट्टी और रणवीर सिंह को धमकी फरवरी 2026 में रोहित शेट्टी के जुहू स्थित घर के बाहर फायरिंग हुई थी। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट में हैरी बॉक्सर समेत लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े लोगों ने जिम्मेदारी लेने का दावा किया था। रणवीर सिंह की टीम को भी धमकी भरे वॉयस नोट भेजे गए और 20 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप है। इससे पहले कनाडा में कपिल शर्मा के कैफे पर हुई फायरिंग के बाद भी उसका नाम सामने आया था। हैरी बॉक्सर कैसे आएगा भारत? हैरी बॉक्सर को भारत लाने के लिए दो कानूनी रास्ते हो सकते हैं। पहला, अमेरिकी अधिकारियों से प्रत्यर्पण की मांग करना और दूसरा, इमिग्रेशन नियमों के तहत निर्वासन यानी डिपोर्टेशन की प्रक्रिया। इसके लिए भारत को उसके खिलाफ दर्ज मामलों, गिरफ्तारी वारंट, लुकआउट सर्कुलर और जांच से जुड़े सबूत अमेरिकी एजेंसियों को उपलब्ध कराने होंगे।

साहसी युवती को तोड़ दिया, निशा कुमारी की मौत से झारखंड में आक्रोश, CBI जांच की मांग, हेमंत सरकार बनी तमाशबीन

झारखंड की आदिवासी कार्यकर्ता निशा कुमारी की मौत के बाद पिता हांडू भगत ने CBI जांच की मांग की। पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। निशा कुमारी की मौत के बाद पिता हांडू भगत ने CBI जांच की मांग की। हेमंत सोरेन सरकार सिर्फ तमाशबीन बनी हुई है। निशा जमीन माफिया, बिचौलियों और भ्रष्ट लोगों के खिलाफ लड़ रही थी। झारखंड के गुमला में आदिवासी कार्यकर्ता निशा कुमारी के आवास की तस्वीरें, जिन्होंने आत्महत्या कर ली है। उनका शव रांची से यहां लाया गया है। बेटी की मौत पर पिता ने सीबीआई जांच की मांग की है। उनके पिता, हांडू भगत ने कहा, "मैं इस मामले की उच्च-स्तरीय CBI जांच चाहता हूं। सरकार की विफलता के कारण, एक होनहार और बहादुर युवती ने अपनी जान गंवा दी है। इसकी CBI जांच होनी चाहिए।" आदिवासी कार्यकर्ता और बेटी निशा कुमारी की आत्महत्या पर उनके पिता, हांडू भगत ने राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया। पिता ने कहा, "इसके लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है। जिन लोगों के नाम सामने आए हैं जिनमें फेसबुक लाइव के दौरान लिए गए नाम भी शामिल हैं। उनके खिलाफ FIR



दर्ज की गई है। हम CBI जांच की मांग करते हैं।" तमाशबीन बनी हुई है हेमंत सरकार हांडू भगत ने प्रशासन से जांच करने और दोषियों को पकड़ने की मांग की। पिता ने कहा, इससे उन अन्य लोगों का हौसला बढ़ेगा जो समाज की बेहतरी के लिए खुलकर काम करना चाहते हैं। झारखंड एक आदिवासी बहुल राज्य है, फिर भी यहां आदिवासियों की जमीन और संपत्तियों को तेजी से लूटा जा रहा है, जबकि हेमंत सोरेन सरकार सिर्फ तमाशबीन बनी हुई है। ऐसी सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। भ्रष्ट लोगों के खिलाफ लड़ रही थी निशा पिता ने आगे कहा, "निशा जमीन माफिया, बिचौलियों और भ्रष्ट लोगों के खिलाफ लड़ रही थी। वह समाज और राज्य की बेहतरी के लिए एक नई सोच के साथ काम कर रही थी। वह राज्य में एक नई जान फूंकना चाहती थी। अगर प्रशासन ने समय रहते मदद की होती, तो आज हमें यह दिन न देखना पड़ता। उसे बहुत भयानक यातनाएं दी गईं।" झारखंड में आक्रोश को लेकर उन्होंने कहा, "यातनाएं इतनी भयानक कि उसने इतनी साहसी, तेज-तर्रार और जोशीली युवती का हौसला ही तोड़ दिया।

UPSC CSE Mains Result जारी, इंटरव्यू राउंड के लिए 2,526 उम्मीदवारों का चयन; 11 नवंबर से ऐसे भर सकेंगे फॉर्म



अभिषेक बनर्जी के जन्मदिन पर कोलकाता के कालीघाट स्थित आवास के बाहर TMC और BJP समर्थकों में झड़प हुई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमले के आरोप लगाए। अभिषेक बनर्जी के जन्मदिन के मौके पर आवास के बाहर आधी रात को भारी हंगामा हुआ। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर फेंके। अभिषेक ने उनके घर पर हमला करने वालों की गिरफ्तारी की मांग की है। पश्चिम बंगाल से तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच झड़प की खबर सामने आई हैं। कोलकाता के कालीघाट में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के आवास के बाहर, उनके जन्मदिन के मौके पर आधी रात को भारी हंगामा हुआ। TMC और BJP समर्थकों के बीच झड़प हो गई, जिसमें दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला शुरू करने का आरोप लगाया। बताया जा रहा है कि इस घटना में कई लोग घायल हुए हैं। हालात को देखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

दक्षिण भारत में भारी बारिश की चेतावनी, 50 KM की रफ्तार से चलेंगी हवाएं, जानें दिल्ली का मौसम



IMD ने 7 नवंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल में भारी बारिश की चेतावनी दी है। दिल्ली-NCR समेत उत्तर और मध्य भारत में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। दक्षिण भारत में 7 और 8 नवंबर को कई इलाकों में व्यापक बारिश का अनुमान। केरल में कुछ स्थानों पर भारी बारिश और गरज-चमक की संभावना। दक्षिण भारत के कुछ इलाकों में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। मौसम विज्ञान विभाग की रिपोर्ट अनुसार, 7 नवंबर को, भारत भर में मौसम की स्थिति पर निचले वायुमंडल में मौजूद एक 'ट्रफ' का असर है। यह ट्रफ केरल से सटे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर से लेकर दक्षिण आंतरिक कर्नाटक तक फैला हुआ है। इसी समय, पूर्वी बांग्लादेश और उसके आस-पास के इलाकों में, तथा उत्तर-पूर्वी असम और उसके आस-पास के क्षेत्रों में निचले वायुमंडल में चक्रवाती परिसंचरण बने हुए हैं।



सम्पादकीय

बड़े पैमाने पर वनों की कटाई के बावजूद

यह उचित नहीं है कि विकास के नाम पर हमें पर्यावरण विनाश के रूप में भारी कीमत चुकानी पड़े। आंकड़ों में हेरफेर करके हम विकास के नाम पर क्षणिक वाहवाही तो बटोर सकते हैं, लेकिन आने वाली पीढ़ियां देश को खंडहर में तब्दील होते हुए देखेंगी। ये पीढ़ियां इसके लिए हमें कभी माफ नहीं करेंगी। पेड़ ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, तापमान कम करने में मदद करते हैं और वर्षा में योगदान देते हैं। इसलिए, वनों का संरक्षण और उन्हें बढ़ाना बहुत ज़रूरी है, यह बात स्कूली बच्चे भी जानते हैं। हाल के वर्षों में, दुनिया भर में बड़े पैमाने पर वनों की कटाई के कारण, वन क्षेत्र में भारी कमी आई है, जिससे पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ गया है। सूखा, भारी बारिश, तूफान, बाढ़, तापमान वृद्धि आदि के रूप में संपूर्ण मानव जाति इसके कड़वे परिणामों से पीड़ित है। जलवायु परिवर्तन के इस संकट से निपटने के लिए, संयुक्त राष्ट्र (UN) सभी देशों से प्रभावी उपाय करने की अपील कर रहा है। महत्वपूर्ण अपीलों में से एक है वनों का संरक्षण और वन क्षेत्र में वृद्धि करना। चूंकि हम वर्तमान में अपने देश में बड़े पैमाने पर वनों की कटाई की खबरें पढ़ रहे हैं, इसलिए यह देखना आवश्यक है कि हमारा देश संयुक्त राष्ट्र की अपीलों पर किस प्रकार प्रतिक्रिया दे रहा है। 2015 में पेरिस में आयोजित ऐतिहासिक जलवायु सम्मेलन (सीओपी 2021) में, भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वन क्षेत्र को इस हद तक बढ़ाने का संकल्प लिया था कि कम से कम 2.5 से 3 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने वाला एक अतिरिक्त 'कार्बन सिंक' तैयार हो सके। इस सम्मेलन को 11 वर्ष बीत चुके हैं। इस संकल्प के कार्यान्वयन के बारे में जानकारी खोजते समय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 13.03.2025 को प्रकाशित 'भारत वन स्थिति रिपोर्ट' (आईएसएफआर) की जानकारी डीडी न्यूज़ वेबसाइट पर उपलब्ध हुई। इसके अनुसार, 2015 में देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 24.16 प्रतिशत (7,94,245 वर्ग किमी) वन क्षेत्र था। 2025 में यह बढ़कर 25.17 प्रतिशत (8,27,357 वर्ग किमी) हो गया। सरकार ने घोषणा की है कि वन क्षेत्र में वृद्धि से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने वाले एक अतिरिक्त 'कार्बन सिंक' के निर्माण की उसकी प्रतिबद्धता पूरी हो गई है और भविष्य में वह इससे भी ऊँचा लक्ष्य हासिल करेगी। यह जानकारी पहली नज़र में किसी को भी आश्वस्त करने वाली लग सकती है। हालाँकि, जब विभिन्न स्थानों पर हो रही बड़े पैमाने पर वनों की कटाई की खबरें सामने आती हैं, तो ज़मीनी हकीकत चिंताजनक हो जाती है। इसलिए, हमें वन क्षेत्र में वृद्धि के संबंध में सरकार द्वारा किए गए दावों की जाँच करनी चाहिए। यदि वनों का क्षेत्रफल बढ़ाना हो तो एक सरकारी आदेश से यह संभव है। लेकिन हमारे देश में हाल ही में हुए वृक्षारोपण के अनुभवों को देखते हुए, इतने कम समय में वृक्षारोपण और उस क्षेत्र को वास्तविक वन में परिवर्तित करना असंभव प्रतीत होता है। पहले कहा गया था कि महाराष्ट्र सरकार ने वन क्षेत्र बढ़ाने के लिए 50 करोड़ वृक्ष लगाए और उन पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन उन 50 करोड़ वृक्षों का कोई पता नहीं चला। अब सरकार ने अगले तीन वर्षों में 40 करोड़ वृक्ष लगाने का संकल्प लिया है। बीते अनुभवों से कोई भी बता सकता है कि इस संकल्प का भविष्य क्या होगा। इसलिए, सरकार के इस दावे पर गहरा संदेह है कि देश का वन क्षेत्र 24.16 प्रतिशत से बढ़कर 25.17 प्रतिशत हो गया है और संकल्प के अनुसार कार्बन डाइऑक्साइड गैस को अवशोषित करने वाला एक अतिरिक्त 'कार्बन सिंक' तैयार हो गया है। वन क्षेत्र बढ़ाने के दावे तो किए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि पिछले दस वर्षों में देश भर में विभिन्न परियोजनाओं के लिए भारी मात्रा में पेड़ काटे गए हैं और ये कटाई अभी भी जारी है। इसका ताजा उदाहरण रायगढ़ जिले का भीमाशंकर वन क्षेत्र है। गुजरात की टॉरेंट पावर कंपनी की प्रस्तावित जलविद्युत परियोजना के लिए आवंटित 370 हेक्टेयर भूमि में से 233 हेक्टेयर भूमि वन क्षेत्र के अंतर्गत आती है। इस परियोजना स्थल पर लगभग 32,490 पेड़ काटे जाने की खबर ने महाराष्ट्र में हलचल मचा दी है। कुछ पर्यावरणविदों के अनुसार, इन पेड़ों की संख्या 50,000 तक हो सकती है। इस वनों की कटाई का वहां के संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का कहना है कि यह परियोजना पर्यावरण के अनुकूल है और परियोजना स्थल पर कुल 90,000 पेड़ लगाने की योजना है, जिनमें से 60,000 टॉरेंट पावर कंपनी द्वारा और 30,000 सरकार द्वारा लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री यह बताना भूल गए कि हजारों वर्षों से मौजूद जंगलों को नष्ट करने से पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई भविष्य में 90,000 पेड़ लगाकर कैसे की जाएगी। यह सर्वविदित है कि अभी लगाया गया पेड़ उतना कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित नहीं कर सकता जितना 50-100 साल पुराना पेड़ कर सकता है। तो फिर वर्तमान में हो रही वनों की कटाई से पर्यावरण को हो रहे भारी नुकसान का क्या? यह भी सुनने में नहीं आता कि सरकार ने परियोजना को मंजूरी देने से पहले वनों की कटाई से हुए पर्यावरणीय नुकसान और इस परियोजना के पर्यावरणीय लाभों का तुलनात्मक मूल्यांकन किया है। सभी विकसित देश ऐसे मूल्यांकन करते हैं। पिछले एक दशक में महाराष्ट्र में विभिन्न कारणों से बड़े पैमाने पर वनों की कटाई हुई है। कुछ प्रमुख उदाहरण हैं: मुंबई मेट्रो और अन्य परियोजनाओं के लिए पिछले छह वर्षों में 21,000 से अधिक पेड़ काटे गए, पुणे में पिछले चार वर्षों में 10,389 पेड़ काटे गए और वन मंत्री द्वारा विधानसभा में जारी जानकारी के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में अवैध रूप से 3,50,000 पेड़ काटे गए।

आर्थिक विकास को संबल देते त्योहार

दिसंबर 2025 में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में मान्यता मिलने के बाद भारत के पास दीपावली को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन महोत्सव के रूप में विकसित करने का स्वर्णिम अवसर है। अयोध्या का दीपोत्सव, वाराणसी की देव दीपावली, जयपुर के रोशनी से जगमगाते बाजार, उदयपुर के प्रकाशित महल और देशभर की विशिष्ट दीपावली परंपराएं पर्यटन के प्रमुख आकर्षण हैं। यदि इन आयोजनों को एक साझा राष्ट्रीय ब्रांड के तहत जोड़कर पांच से सात दिन का अंतरराष्ट्रीय दीपावली महोत्सव आयोजित किए जाएं, तो स्थानीय कलाकारों के साथ उनके बनाए देशी उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा और उनकी वैश्विक पहचान भी बनेगी। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रकाश कला प्रदर्शनियों, पारंपरिक खानपान, हस्तशिल्प मेलों और फोटोग्राफी के माध्यम से 'वोकल फार लोकल' की भावना भी साकार होगी। नवरात्रि और दीपावली के त्योहारी सीजन में खुदरा कारोबार 3.75 लाख करोड़ से 4.25 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचता है। दीपावली को वैश्विक पहचान मिलने से यह आंकड़ा पांच लाख करोड़ रुपये के पार जा सकता है। दुनिया के कई देशों ने अपने स्थानीय सांस्कृतिक आयोजनों को वैश्विक ब्रांड बनाकर अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयां दी हैं। ब्राजील के पांच से छह दिन चलने वाले रियो कार्निवाल में 15 से 20 लाख घरेलू और विदेशी पर्यटक शामिल होते हैं, जो 10,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करते हैं। जर्मनी के 16 दिवसीय ओक्टोबरफेस्ट से म्यूनिख को करीब 11,000 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष राजस्व मिलता है। आयरलैंड ने सेंट पैट्रिक दिवस को वैश्विक सांस्कृतिक ब्रांड के रूप में स्थापित किया है। इसी तरह जापान का स्नो फेस्टिवल, थाईलैंड का लैंटर्न फेस्टिवल, स्पेन का ला टोमाटीना और बेल्जियम का टुमारोलैंड अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के प्रमुख आकर्षण बन चुके हैं। भारत विविधताओं और उत्सवों का देश है। दीपावली, होली, दशहरा, दुर्गा पूजा, मकर संक्रांति, ओणम और कुंभ मेला केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय जीवनशैली, सांस्कृतिक विरासत और सामुदायिक जुड़ाव के प्रतीक हैं। यदि इन क्षेत्रीय और राष्ट्रीय पर्वों को वैश्विक ब्रांड के रूप में विकसित कर पर्यटन सर्किट से जोड़ा जाए, तो इससे भारतीय अर्थव्यवस्था, पर्यटन उद्योग और सूक्ष्म उद्यमों को नई गति मिल सकती है।

इससे विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ विदेशी मुद्रा आय और रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी।

भारत में 'एक राज्य, एक अंतरराष्ट्रीय महोत्सव' की अवधारणा पर काम किए जाने की आवश्यकता है। असम के बिहू को अंतरराष्ट्रीय लोक संस्कृति एवं नृत्य महोत्सव, गुजरात के रण उत्सव को अंतरराष्ट्रीय डेजर्ट फेस्टिवल, नगालैंड के हार्नबिल महोत्सव को अंतरराष्ट्रीय जनजातीय संस्कृति उत्सव, राजस्थान के पुष्कर मेले को अंतरराष्ट्रीय मरुस्थलीय एवं पशु मेले, कर्नाटक के मैसूर दशहरे को अंतरराष्ट्रीय विरासत महोत्सव, केरल के ओणम को अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक एवं नौका उत्सव और पश्चिम बंगाल की दुर्गा पूजा को अंतरराष्ट्रीय कला एवं प्रकाश महोत्सव के रूप में विकसित किया जा सकता है।

इसी तरह महाराष्ट्र का गणेशोत्सव, तमिलनाडु का पोंगल, पंजाब की बैसाखी, बिहार का सोनपुर मेला, छत्तीसगढ़ का बस्तर दशहरा, मध्य प्रदेश का खजुराहो नृत्य महोत्सव, ओडिशा का कोणार्क नृत्य महोत्सव, हिमाचल प्रदेश का कुल्लू दशहरा और उत्तराखंड की नंदा देवी राजजात एवं फूलदेई भी अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के प्रमुख आकर्षण बन सकते हैं। इन आयोजनों का उद्देश्य केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि स्थानीय परंपराओं, कला, खानपान, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच प्रदान करना भी होना चाहिए।

भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता को देखते हुए एक राष्ट्रीय महोत्सव कैलेंडर तैयार किया जाना चाहिए। दुनिया भर में बसे 3.2 करोड़ एनआरआइ भारत के सांस्कृतिक राजदूत हैं। 'इनक्रेडिबल इंडिया' एप के माध्यम से पासपोर्ट पैकेज में छूट, सिंगल-विंडो बुकिंग, लाइव गाइड और रूट मैप जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराकर होमकमिंग टूरिज्म में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की जा सकती है। यह नई पीढ़ी के एनआरआइ बच्चों को भारतीय परंपराओं, हस्तशिल्प और अपनी जड़ों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। विदेशी पर्यटकों को होटलों तक सीमित रखने के बजाय ग्रामीण परिवारों के साथ त्योहार मनाने, पारंपरिक भोजन बनाने और स्थानीय रीति-रिवाजों को सीखने के अवसर दिए जाने चाहिए। इसके लिए एक व्यापक राष्ट्रीय रणनीति बनाने की जरूरत है, जिसमें पर्यटन मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, राज्य सरकारों, निजी पर्यटन उद्योग, होटल एसोसिएशन और स्थानीय निकायों की साझेदारी हो। प्रत्येक राज्य अपने प्रमुख उत्सव का चयन कर उसे पांच से सात दिन के अंतरराष्ट्रीय महोत्सव के रूप में विकसित करे। भारत के दूतावासों, अंतरराष्ट्रीय टूर आपरेटरों, डिजिटल मीडिया और विदेशी पर्यटन प्रदर्शनियों के माध्यम से इन आयोजनों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।

भारतीय त्योहारों का अंतरराष्ट्रीयकरण केवल पर्यटन को बढ़ावा देने का माध्यम नहीं, बल्कि समावेशी आर्थिक विकास को गति देने की प्रभावी कुंजी भी बन सकता है।

पानी खत्म हो जाने पर विकास भवनों का क्या उपयोग है?

प्रकृति की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए विकास की योजना बनाना विकास का विरोध करना नहीं है। बल्कि, इसका अर्थ है विकास को टिकाऊ बनाना। सरकार को समय रहते यह बात समझ लेनी चाहिए: जब पानी खत्म हो जाएगा, तो न तो विकास का प्रचार, न उद्योगपतियों का मुनाफा, और न ही धार्मिक समारोहों की भव्यता प्यास बुझा पाएगी! अब समय आ गया है कि सरकार के विकास मॉडल को सूखे के आईने में परखा जाए! एक ऐसी सरकार जो निर्माण कार्य को गति दे रही है, उद्योगों को पानी मुहैया करा रही है और प्रकृति का विनाश कर रही है, जबकि पानी की कमी का खतरा मंडरा रहा है, वह विकास नहीं कर रही है; बल्कि भविष्य के संकटों की नींव रख रही है। यदि मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाले बांधों के जलग्रहण क्षेत्रों में नदियों, नालों और खाइयों का जलस्तर फरवरी-मार्च में हमेशा इतना कम हो जाता है, तो इस वर्ष यह केवल चिंता का विषय नहीं है; यह एक गंभीर चेतावनी है। क्या सरकार इस संकट से अवगत है? या क्या संकट के वास्तव में दरवाजे पर दस्तक देने तक इस पर ध्यान न देना सरकार की नीति है? मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में निर्माण कार्य में तेज़ी आई है। नई इमारतों, व्यावसायिक परिसरों, बुनियादी ढांचे और बढ़ते शहरीकरण के लिए भारी मात्रा में पानी की आवश्यकता होगी। लेकिन क्या इस बढ़ती मांग को उपलब्ध जल संसाधनों से पूरा किया जा रहा है? क्या नए निर्माणों के लिए परमिट देते समय भविष्य में पानी की आपूर्ति का ठोस आकलन किया जाता है? या फिर इमारतें बनाने की होड़ लगी है, लेकिन इस बात का कोई समाधान नहीं है कि उनमें रहने वाले लोगों को पानी कहां से मिलेगा? विकास के नाम पर जनसंख्या और पानी की मांग बढ़ती जा रही है, लेकिन पानी उपलब्ध कराने की ज़िम्मेदारी प्रकृति पर छोड़ दी गई है, यह किस तरह का विकास है? क्या उद्योगों का मुनाफा ज़्यादा महत्वपूर्ण है या लोगों की प्यास? डेटा सेंटर, इथेनॉल उत्पादन, शीतल पेय उद्योग, शराब उत्पादन, कपड़ा उद्योग आदि जैसे कई क्षेत्रों को पानी की आवश्यकता होती है। प्रत्येक उद्योग की पानी की आवश्यकताएँ, रोजगार सृजन और आर्थिक योगदान अलग-अलग होते हैं। इसलिए, सभी उद्योगों को पूरी तरह बंद करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। सवाल पानी के उपयोग को प्राथमिकता देने का है। जब पीने के पानी की कमी की संभावना हो, तो क्या सरकार को इस बारे में नीति नहीं बनानी चाहिए कि किस उद्योग को कितना पानी दिया जाए, कौन सा उद्योग अपने संसाधित अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग करे और किन उत्पादों पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगाया जाए? शीतल पेय, शराब, कपड़ा उद्योग और अन्य औद्योगिक उत्पादों के लिए पानी का उपयोग किया जाता है, इसलिए आम आदमी से पानी का कम से कम उपयोग करने की अपील की जाती है। डेटा सेंटर जैसी डिजिटल अर्थव्यवस्था से संबंधित सुविधाओं की योजना बनाते समय, उनकी वास्तविक जल खपत, शीतलन तकनीक और स्थानीय जल संसाधनों पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखना आवश्यक है। विकास परियोजनाओं के लिए जंगलों को साफ करने और फिर बारिश न होने पर सूखे का रोना रोने की इस विडंबना को हम कब तक सहन करते रहेंगे? जंगलों को नष्ट करके हम बारिश की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? स्थानीय जल चक्र, मिट्टी की नमी, भूजल पुनर्भरण और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए जंगल महत्वपूर्ण हैं। वर्षा कई कारकों से प्रभावित होती है। फिर भी, जंगलों को नष्ट करना और पारिस्थितिक स्थिरता को खतरे में डालना हमारी जल सुरक्षा की नींव को ही कमजोर कर रहा है। कुंभ मेले जैसे विशाल आयोजन के लिए, जहाँ लाखों श्रद्धालु एकत्रित होते हैं, पेयजल, स्वच्छता, स्नान घाट और अन्य सुविधाओं की व्यापक व्यवस्था करनी पड़ती है। क्या इतने बड़े आयोजन की योजना बनाते समय स्थानीय नागरिकों की जल आपूर्ति पर पड़ने वाले प्रभाव का पारदर्शी आकलन करना आवश्यक नहीं है? धार्मिक मान्यताओं का सम्मान करते हुए भी, जल प्रतिबंधों की अनदेखी करने का किसी को अधिकार नहीं है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बड़ी परियोजनाओं के लिए पानी उपलब्ध कराते समय स्थानीय निवासियों को पानी की कमी का सामना न करना पड़े। जनता को स्पष्ट रूप से सूचित किया जाना चाहिए कि कितना पानी उपलब्ध है, इसकी लागत कितनी होगी और इसकी भरपाई कैसे की जाएगी। जब जल संकट गंभीर हो जाता है, तो खारे पानी को मीठा बनाकर उपयोग करने का विकल्प सामने रखा जाता है। खारे पानी को मीठा बनाने की परियोजनाएं निश्चित रूप से उपयोगी हो सकती हैं। हालांकि, इन्हें पूरा करना आसान नहीं है और न ही ये सभी समस्याओं का एकमात्र समाधान हैं। खारे पानी को मीठा बनाने के बाद भी, कृषि के लिए इसका उपयोग करना स्वतः ही लागत प्रभावी नहीं हो जाता। फसलों के प्रकार, पानी की गुणवत्ता, ऊर्जा लागत और परिवहन लागत पर विचार करना आवश्यक है। दूसरे शब्दों में, यह मान लेना मूर्खता होगी कि खारे पानी को मीठा बनाने का विकल्प उपलब्ध होने मात्र से जल संकट का समाधान हो गया है। इसके बजाय, वर्षा जल का भंडारण, बांधों में रिसाव को कम करना, अपशिष्ट जल का उपचार और औद्योगिक उपयोग बढ़ाना, भूजल पुनर्भरण और कृषि में जल-बचत प्रथाओं का विस्तार जैसे उपायों को समान महत्व दिया जाना चाहिए। तो इस समस्या के समाधान के लिए सरकार को क्या करना चाहिए? सबसे पहले, मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाले बांधों में मौजूदा जल भंडार, आने वाले महीनों में अपेक्षित मांग और संभावित कमी का पारदर्शी लेखा-जोखा जनता के सामने रखा जाए।

रजनीकांत की 'जेलर 2' ओटीटी पर 12 नवंबर को मचाएगी धमाल, 5 भाषाओं में 240 से ज्यादा देशों में होगी रिलीज



रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 के फैंस का इंतजार खत्म होने वाला है। यह एक्शन ड्रामा फिल्म 12 नवंबर 2026 से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। 'जेलर 2' 12 नवंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर होगी स्ट्रीम। फिल्म 5 भाषाओं में 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में स्ट्रीम होगी। रजनीकांत के साथ मोहनलाल, ऋतिक रोशन और विजय सेतुपति की खास मौजूदगी। सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन के बाद अब ओटीटी पर दस्तक देने की तैयारी कर ली है। सिनेमाघरों में फिल्म देखने से चूक गए दर्शकों के लिए यह अच्छी खबर है। खास बात यह है कि इस बार थलाइवा का जलवा सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि दुनिया के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों के दर्शक भी फिल्म जेलर 2 को देख सकेंगे। फिल्म 12 नवंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। 5 भाषाओं में देख सकेंगे जेलर-2 'जेलर 2' की डिजिटल रिलीज को खास बनाने वाली सबसे बड़ी बात इसकी 5 भाषाओं में स्ट्रीम होना है। फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में स्ट्रीम होगी। इससे अलग-अलग भाषाओं के दर्शकों को अपनी पसंद की भाषा में रजनीकांत का एक्शन देखने का मौका मिलेगा। प्राइम वीडियो ने फिल्म की ग्लोबल स्ट्रीमिंग रिलीज की आधिकारिक ऐलान किया है। फिर दिखेगा लोगों को टाइगर मुथुवेल पांडियन का जादू फिल्म जेलर-2 में एक्टर रजनीकांत एक बार फिर रिटायर्ड जेलर टाइगर मुथुवेल पांडियन के रोल में नजर आएंगे। कहानी में उनका रोल एक बार फिर मुश्किल हालात में फंसता है, जहां परिवार को बचाने और अपराधियों से मुकाबला करने के लिए उन्हें अपने पुराने अंदाज में लौटना पड़ता है। डायरेक्टर नेल्सन दिलीपकुमार ने इस बार कहानी के साथ एक्शन और इमोशनल ड्रामा का दायरा भी बढ़ाया है। जेलर-2 में कई बड़े स्टार्स का मेला 'जेलर 2' की स्टार कास्ट भी दर्शकों के लिए बड़ा आकर्षण है। रजनीकांत के साथ फिल्म में एस.जे. सूर्या, शिवराजकुमार, सूरज वेण्जारमूडू, मिथुन चक्रवर्ती, विद्या बालन, रम्या कृष्णन और योगी बाबू जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। वहीं मोहनलाल, ऋतिक रोशन और विजय सेतुपति का कैमियो फिल्म को और दिलचस्प बनाता है। अनिरुद्ध रविचंदर के म्यूजिक ने बढ़ाया फिल्म का दम फिल्म के एक्शन और बड़े स्टारकास्ट के साथ अनिरुद्ध रविचंदर का म्यूजिक भी इसकी खासियत है। उनके म्यूजिक ने फिल्म के माहौल और रजनीकांत के स्क्रीन प्रेजेंस को और प्रभावशाली बनाया है। 'जेलर 2' ने दुनियाभर में 800 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की है। अब 12 नवंबर को इसकी डिजिटल रिलीज होने जा रही है। ऐसे में फिल्म के फैंस के पास इसे घर बैठे देखने का मौका होगा।

खून से सनी गाड़ी और हाथ में बंदूक लेकर दिखे कमल हासन, 'संडियार' के पोस्टर में दिखा एक्टर का खूंखार अंदाज



साउथ सिनेमा के दिग्गज एक्टर कमल हासन ने अपने जन्मदिन पर फैंस को बड़ा तोहफा देते हुए अपनी आने वाली फिल्म का नाम और दमदार फर्स्ट लुक शेयर किया है। कमल हासन ने 72वें जन्मदिन पर फिल्म 'संडियार' का फर्स्ट लुक जारी किया। पोस्टर में कमल हासन के हाथ में बंदूक लिए बेहद रफ अंदाज में नजर आए। फिल्म का डायरेक्शन एसयू अरुण कुमार कर रहे हैं। अनिरुद्ध रविचंदर संगीत और अनबरीव एक्शन कोरियोग्राफी संभाल रहे हैं। फिल्म इंडस्ट्री में जब भी किसी दिग्गज कलाकार के जन्मदिन की बात आती है, तो फैंस की उम्मीदें आसमान पर होती हैं। साउथ सिनेमा के महान एक्टर कमल हासन ने आज अपने 72वें जन्मदिन पर कुछ ऐसा ही खास कर दिखाया है, जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है। अपनी बेहतरीन एक्टिंग के लिए पहचाने जाने वाले इस एक्टर ने अपने फैंस को एक बेहद रोमांचक तोहफा दिया है।

प्रियंका चोपड़ा ने दिया फैंस को बड़ा तोहफा, 10 साल बाद लौटेगी नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्म 'वेंटिलेटर'



बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने अपने प्रोडक्शन बैनर के 10 साल पूरे होने पर पॉपुलर मराठी फिल्म 'वेंटिलेटर' के सीक्वल की आधिकारिक घोषणा कर दी है। प्रियंका चोपड़ा ने 'वेंटिलेटर 2' का किया ऑफिशियल अनाउंसमेंट। पर्पल पेबल पिक्चर्स के 10 साल पूरे होने पर मिली खुशखबरी। राजेश मापुस्कर एक बार फिर करेंगे फिल्म का डायरेक्शन। 'वेंटिलेटर 2' साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगा। फिल्म निर्माण की दुनिया में कदम रखने वाले स्टार्स के लिए कुछ शुरुआती प्रोजेक्ट्स बेहद खास होते हैं, जो उनके पूरी जर्नी की नींव रखते हैं। ग्लोबल स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी पॉपुलर एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा के लिए भी कुछ ऐसा ही जुड़ाव अपनी पहली फिल्म से रहा है। अपने प्रोडक्शन हाउस पर्पल पेबल पिक्चर्स के 10 साल पूरे होने के खास मौके पर उन्होंने एक ऐसी घोषणा की है जिसने उनके फैंस को झूमने पर मजबूर कर दिया है। एक्ट्रेस ने आधिकारिक तौर पर अपनी नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म 'वेंटिलेटर' के सीक्वल यानी 'वेंटिलेटर 2' लाने का ऐलान किया है। 10 साल बाद उसी खास सफर पर वापसी जब साल 2016 में इस बैनर तले पहली फिल्म रिलीज हुई थी, तब इंडस्ट्री में एक नया प्रयोग किया गया था। इस 10 साल के लंबे सफर को याद करते हुए एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं शेयर कीं और बताया कि कैसे उन्होंने सार्थक और असरदार कहानियां कहने का संकल्प लिया था। 'वेंटिलेटर' प्रियंका चोपड़ा की टीम के लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक ऐसा मील का पत्थर थी जिसने उनके प्रोडक्शन हाउस को एक नई पहचान दिलाई थी। अब पूरे 10 साल बाद इस फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने साबित कर दिया है कि वह मराठी सिनेमा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लेकर कितनी गंभीर हैं। पुरानी टीम के साथ जुड़ेगी नई कहानी इस सीक्वल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके डायरेक्शन की कमान एक बार फिर जाने-माने डायरेक्शन राजेश मापुस्कर को ही सौंपी गई है। ओरिजिनल फिल्म को अपनी बेहतरीन कलाकारी से सजाने वाले मापुस्कर ही इसके सीक्वल का डायरेक्शन करेंगे। फिल्म के निर्माण की बात करें तो इसमें प्रियंका चोपड़ा के साथ डॉक्टर मधु चोपड़ा और खुद डायरेक्शन राजेश मापुस्कर भी अपनी अहम किरदान निभाएंगे। यह प्रोजेक्ट पर्पल पेबल पिक्चर्स और मैगिज पिक्चर्स के संयुक्त बैनर तले आगे बढ़ाया जा रहा है। फिल्म 2027 में सिनेमाघरों में देगी दस्तक फिल्म के मेकर्स ने भले ही अभी तक इसकी स्टार कास्ट या शूटिंग के सटीक शेड्यूल से पर्दा नहीं उठाया है, लेकिन यह साफ कर दिया है कि यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। शुरुआती दौर की जानकारियों के अनुसार मेकर्स इस बार भी फिल्म की कहानी को उतना ही दमदार और पारिवारिक बनाने की तैयारी में हैं जितना की इसका पहला भाग था।

20 साल की स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने रचा इतिहास, 4 गेंद में झटके 4 विकेट



वैष्णवी शर्मा ने विमेंस टी-20 ट्रॉफी में मध्य प्रदेश के लिए खेलते हुए आंध्र प्रदेश के खिलाफ लगातार 4 गेंदों पर 4 विकेट यानी डबल हैट्रिक लेकर इतिहास रच दिया है। वैष्णवी शर्मा ने 20 साल की उम्र में लगातार 4 गेंदों पर 4 विकेट लेकर रचा इतिहास वैष्णवी ने आंध्र प्रदेश की पारी के आखिरी यानी 20वें ओवर में ये कारनामा किया वर्तमान में वह टीम इंडिया के लिए व्हाइट बॉल क्रिकेट खेल रही हैं भारतीय महिला क्रिकेट की उभरती हुई सितारा और स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने 20 साल की उम्र में लगातार 4 गेंदों पर 4 विकेट लेकर क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया है। न्यू चंडीगढ़ में खेली जा रही 2026 विमेंस टी-20 ट्रॉफी के एक रोमांचक मुकाबले में मध्य प्रदेश की ओर से खेलते हुए वैष्णवी ने आंध्र प्रदेश के खिलाफ यह बेहद अनोखा कारनामा किया।

यशस्वी जायसवाल का लगातार दूसरा धमाका, न्यूजीलैंड दौरे पर जड़ा एक और शानदार शतक



यशस्वी जायसवाल ने न्यूजीलैंड-A के खिलाफ तीसरे अनऑफिशियल टेस्ट के पहले दिन शतक जड़कर बेहतरीन प्रदर्शन किया। पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारत-A ने 2 विकेट पर 227 रन बना लिए हैं। यशस्वी जायसवाल ने न्यूजीलैंड-A के खिलाफ तीसरे अनऑफिशियल टेस्ट में जड़ा शानदार शतक। यह इस सीरीज में उनकी लगातार दूसरी सेंचुरी है। खराब मौसम और बारिश के कारण पहले दिन का खेल समय से पहले ही रोकना पड़ा। न्यूजीलैंड के लिंकन में खेले जा रहे तीसरे अनऑफिशियल टेस्ट के पहले दिन भारतीय युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का जलवा देखने को मिला है। जायसवाल ने न्यूजीलैंड-A के गेंदबाजों की क्लास लगाते हुए शानदार 102 रनों की शतकीय पारी खेली। यह इस सीरीज में उनकी लगातार दूसरी सेंचुरी है। जायसवाल के शतक और साई सुदर्शन की सूझबूझ भरी पारी की बदौलत भारत-A ने शनिवार को पहले दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट के नुकसान पर 227 रन बना लिए हैं। खराब मौसम और बारिश के कारण पहले दिन का खेल समय से पहले ही रोकना पड़ा। 138 गेंदों में 102 रन, जायसवाल का आक्रामक अंदाज टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत-A की टीम को यशस्वी जायसवाल ने आक्रामक शुरुआत दी। उन्होंने न्यूजीलैंड-A के गेंदबाजों पर दबाव बनाते हुए महज 127 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। जायसवाल ने अपनी 102 रनों की पारी के लिए कुल 138 गेंदें खेलीं, जिसमें कई शानदार चौके और छक्के शामिल रहे। इस शतकीय पारी से उन्होंने 19 नवंबर से वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू हो रही आगामी मुख्य टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय सेलेक्टर्स को अपनी मजबूत फॉर्म का संकेत दे दिया है। 175 रनों की रिकॉर्ड ओपनिंग साझेदारी न्यूजीलैंड-A ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था, लेकिन भारतीय ओपनर्स ने उनके इस फैसले को पूरी तरह गलत साबित कर दिया।

दुनिया के किस देश के लोग सबसे ज्यादा बुद्धिमान? पाकिस्तान 74वें नंबर पर; जानें भारत किस पायदान पर

दुनिया के किस देश के लोगों का IQ लेवल सबसे ज्यादा होता है? भारत-पाकिस्तान में से कहां के लोग ज्यादा बुद्धिमान हैं? यदि ऐसे सवाल आपके मन में है तो यह खबर आपके लिए है। 143 देशों की IQ रैंकिंग में भारत की स्थिति पूर्वी एशियाई देशों के टॉप पर रहने की वजह अमीर खाड़ी देशों का IQ रैंकिंग में पिछड़ना दुनिया के अलग-अलग देशों की औसत IQ (इंटेलिजेंस कोशेंट) को लेकर जारी एक नई रैंकिंग में भारत की स्थिति भी सामने आई है। इस रैंकिंग में हांगकांग पहले स्थान पर है, जबकि सोमालिया सबसे आखिरी पायदान पर है। खास बात यह है कि पहले और आखिरी स्थान पर मौजूद देशों के औसत IQ स्कोर में 23.89 अंकों का अंतर है। यानी 143 देशों और क्षेत्रों की इस सूची में सबसे ज्यादा और सबसे कम औसत IQ के बीच का अंतर उतना बड़ा नहीं है, जितना आमतौर पर माना जाता है। यह आंकड़ा इंटरनेशनल IQ टेस्ट के ऑनलाइन असेसमेंट पर आधारित है। साल 2025 में दुनिया भर के 12 लाख से अधिक लोगों ने यह टेस्ट दिया था। सभी प्रतिभागियों ने एक ही टेस्ट दिया, जिससे अलग-अलग तरह के टेस्ट के आधार पर देशों की तुलना करने की समस्या कम होती है। इस टेस्ट में औसत स्कोर 100 और स्टैंडर्ड डेविएशन 15 रखा गया है। IQ रैंकिंग में भारत किस नंबर पर



डेटापांडास साइट के अनुसार इस सूची में भारत 53वें स्थान पर है। भारत का औसत IQ स्कोर 98.44 दर्ज किया गया है, जो 100 के वैश्विक औसत से थोड़ा कम है। भारत के ठीक ऊपर मलेशिया 52वें स्थान पर है, जिसका स्कोर 98.51 है। वहीं भारत के बाद मोंटेनेग्रो 54वें स्थान पर है। पड़ोसी देशों में श्रीलंका 18वें, बांग्लादेश 67वें, नेपाल 68वें और पाकिस्तान 74वें स्थान पर है। पूर्वी एशियाई देशों का दबदबा रैंकिंग में पूर्वी एशियाई देशों का दबदबा साफ दिखाई देता है। हांगकांग 107.73 अंकों के साथ पहले नंबर पर है। दक्षिण कोरिया 106.97 अंकों के साथ दूसरे और चीन 106.48 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। जापान 106.35 अंकों के साथ चौथे, मकाऊ 106.32 के साथ पांचवें और ताइवान 105.84 के साथ छठे स्थान पर है। इस सूची में ईरान सातवें स्थान पर है। उसका औसत IQ स्कोर 104.80 है। ऑस्ट्रेलिया आठवें, रूस नौवें और सिंगापुर दसवें स्थान पर है। पूर्वी एशियाई देशों के बेहतर प्रदर्शन के पीछे शिक्षा व्यवस्था को एक प्रमुख कारण माना गया है। दक्षिण कोरिया में हगवॉन (Hagwon) नाम से निजी कोचिंग संस्थानों का बड़ा नेटवर्क है। यहां लगभग चार में से तीन छात्र स्कूल के बाद अतिरिक्त पढ़ाई करते हैं। जापान में भी जुकू (Juku) नाम से कोचिंग संस्थान संचालित होते हैं। वहां मिडिल स्कूल के 60 प्रतिशत से अधिक छात्र इन संस्थानों में पढ़ते हैं। इन देशों में शिक्षा पर विशेष जोर दिया जाता है। छात्रों को पैटर्न पहचानने, याददाश्त और समय के भीतर समस्याओं को हल करने जैसे कौशल विकसित करने का प्रशिक्षण मिलता है। ये ऐसे कौशल हैं, जिनका इस्तेमाल मानकीकृत परीक्षाओं में भी होता है। शिक्षा और पोषण का IQ पर असर रिपोर्ट में शिक्षा और IQ के बीच गहरे संबंध की बात कही गई है। 138 देशों के आंकड़ों में औसत IQ और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) के एजुकेशन इंडेक्स के बीच समानता देखी गई है।

डोनाल्ड ट्रंप को गिफ्ट में मिली हनुमान चालीसा, जानें किसने दिया?



व्हाइट हाउस में दिवाली समारोह के दौरान भारतीय उद्यमी विशाल गोंडल ने डोनाल्ड ट्रंप को हनुमान चालीसा भेंट की। उन्होंने भारत-अमेरिका दोस्ती और विश्व शांति की कामना की। भारतीय उद्यमी विशाल गोंडल ने ओवल ऑफिस में डोनाल्ड ट्रंप को हनुमान चालीसा भेंट की। दिवाली समारोह में विकास खन्ना और रूबी ढल्ला समेत कई भारतीय मूल की हस्तियां शामिल हुईं। गोंडल ने भारत-अमेरिका संबंध मजबूत होने और दुनिया में शांति, समृद्धि की कामना की। व्हाइट हाउस में आयोजित दिवाली समारोह के दौरान भारतीय टेक उद्यमी और GOQii के संस्थापक विशाल गोंडल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ओवल ऑफिस में मुलाकात की और उन्हें हनुमान चालीसा की एक प्रति भेंट की. समारोह में भारतीय मूल की कई प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं. गोंडल ने इसे भारत और अमेरिका के बीच दोस्ती का प्रतीक बताया और कहा कि दीया जलाते समय उन्होंने दोनों देशों के संबंध मजबूत होने तथा दुनिया में शांति, समृद्धि और प्रकाश की विजय की प्रार्थना की. ओवल ऑफिस में मनाई गई दिवाली दिवाली समारोह में अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय ओवल ऑफिस में भारतीय मूल के कई प्रमुख लोगों को आमंत्रित किया गया था. इस अवसर पर सभी ने मिलकर रोशनी के पर्व का उत्सव मनाया. दिवाली समारोह में मिशेलिन स्टार शेफ विकास खन्ना और कनाडा की पूर्व सांसद रूबी ढल्ला समेत भारतीय मूल की कई प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं. ट्रंप को हनुमान चालीसा भेंट की गोंडल ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, 'ओवल ऑफिस में साझा रोशनी का एक यादगार पल. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ दिवाली मनाना मेरे लिए सम्मान की बात है.

पैराग्वे में पूर्व राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को नजरबंद किया, डिजिटल बैंक के डूबने से वित्तीय संकट



पैराग्वे के पूर्व राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पर कार्रवाई की गई है। शुक्रवार को महाभियोग की प्रक्रिया के बाद उन्हें नजरबंद किया गया। 'उएनो' बैंक के डूबने से कदम उठाया गया है। पैराग्वे के पूर्व राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को नजरबंद कर दिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को सांसदों ने उन पर महाभियोग चलाया था। 'उएनो' नामक डिजिटल बैंक के डूबने से पैदा हुए राजनीतिक और वित्तीय संकट के बीच उठाया गया है। पैराग्वे के पूर्व राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को नजरबंद कर दिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को महाभियोग की प्रक्रिया के बाद यह कार्रवाई की। इससे कुछ समय पहले ही सांसदों ने उन पर महाभियोग चलाकर पद से हटा दिया था। यह कदम 'उएनो' नामक डिजिटल बैंक के डूबने से पैदा हुए राजनीतिक और वित्तीय संकट के बीच उठाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि जब तक सरकारी अभियोजक कार्यालय उन पर लगाए जाने वाले अंतिम आरोपों को तय नहीं कर लेता, तब तक पेना नजरबंद रहेंगे। असुनसियोन में पेना के आवास के बाहर दर्जनों प्रदर्शनकारी जमा हो गए, जबकि पुलिस ने उनके घर के चारों ओर सुरक्षा घेरा बना रखा था। उएनो बैंक का संकट क्या था? उएनो बैंक पैराग्वे का एक बड़ा डिजिटल बैंक था, जिसके लगभग 29 लाख ग्राहक थे। देश की आबादी करीब 61 लाख है, यानी लगभग आधी आबादी इससे जुड़ी थी। केंद्रीय बैंक ने बैंक की सॉल्वेंसी (वित्तीय क्षमता) कमजोर पाए जाने पर इसे अपने नियंत्रण में ले लिया। इससे लाखों लोगों के खाते फ्रीज हो गए और वे अपना पैसा नहीं निकाल पाए।

इससे देश में बड़ा वित्तीय संकट खड़ा हो गया और लोगों में गुस्सा फैल गया।

13 नवंबर 2026 को क्या दुनिया खत्म हो जाएगी? 1960 में क्या भविष्यवाणी हुई थी



13 नवंबर 2026 को दुनिया खत्म होने की चर्चा क्यों हो रही है? जानिए 1960 के वैज्ञानिक अध्ययन, आबादी के गणितीय अनुमान और सूर्य की गतिविधियों से जुड़ी सच्चाई। 1960 के एक वैज्ञानिक अध्ययन में गणितीय मॉडल के आधार पर 13 नवंबर 2026 को वैश्विक आबादी अनंत होने का अनुमान लगाया गया था। मिशेल टेकला के पुराने लेख और सौर तूफानों की चर्चा ने दुनिया के अंत की आशंकाओं को फिर हवा दी है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, वैश्विक आबादी 2080 के दशक में करीब 10.3 अरब पहुंच सकती है, दुनिया खत्म होने का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। 13 नवंबर 2026 को लेकर सोशल मीडिया पर दुनिया के खत्म होने की चर्चा तेज हो गई है।

होराइजन यूरोप से जुड़ने का रास्ता साफ! भारत-EU ने बातचीत पूरी की, रिसर्चर के लिए नई उम्मीदें

भारत ने होराइजन यूरोप में जुड़ने के लिए बातचीत पूरी कर ली है। इससे शोधकर्ताओं और इनोवेटर्स के लिए एक-दूसरे के साथ और अधिक निकटता से काम करने, नई तकनीकें विकसित करने के नए अवसर खुलेंगे।

भारत ने होराइजन यूरोप से जुड़ने के लिए बातचीत पूरी की अनुसंधान के क्षेत्र में भारत नहीं ऊंचाई छूने के लिए तैयार 15 जुलाई की बैठक के बाद बातचीत की प्रक्रिया शुरू हुई भारत और यूरोपीय संघ (EU) ने होराइजन यूरोप से भारत के जुड़ने के लिए बातचीत सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। 'होरिजोन यूरोप', यूरोपीय संघ का प्रमुख अनुसंधान और नवाचार कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम से भारत का जुड़ना, दोनों पक्षों के बीच अनुसंधान सहयोग के



एक दीर्घकालिक संस्थागत ढांचे की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। यह कदम विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग पर भारत-यूरोपीय संघ समझौते तथा 'भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद' के तहत पहले से चल रही अनुसंधान एवं विकास (R&D) परियोजनाओं और सहयोग को और आगे बढ़ाएगा। इस पहल से दोनों देशों को फायदा इस जुड़ाव से भारतीय शोधकर्ताओं, संस्थानों और उद्योगों को 'होरिजोन यूरोप' कार्यक्रम के तहत फंडिंग के अवसरों में भाग लेने और सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से काम करने में मदद मिलेगी। साथ ही, उन्हें यूरोपीय संघ के शोध समूहों और अत्याधुनिक अनुसंधान बुनियादी ढांचे तक पहुंच प्राप्त होगी। इससे प्रतिभाओं की आवाजाही बढ़ेगी और महत्वपूर्ण तकनीकों, मानकों तथा समाधानों का बड़े पैमाने पर संयुक्त विकास संभव हो सकेगा। वैज्ञानिक क्षमताओं को मजबूत करेगा होराइजन यूरोप के दूसरे स्तंभ (Pillar II) में स्वास्थ्य, डिजिटल तकनीक, उद्योग और अंतरिक्ष, जलवायु, ऊर्जा और गतिशीलता, खाद्य तथा जैव-अर्थव्यवस्था जैसे विषय शामिल हैं। ये विषय भारत की अनुसंधान प्राथमिकताओं से काफी मेल खाते हैं और भारत की वैज्ञानिक क्षमताओं को और मजबूत कर सकते हैं। 'विकसित भारत 2047' की ओर बढ़ते हुए, यह जुड़ाव देश के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में एक महत्वपूर्ण मूल्य जोड़ेगा।

10 में से 8 बार निवेशकों की बल्ले-बल्ले! इस दिवाली क्या फिर रचेगा इतिहास?

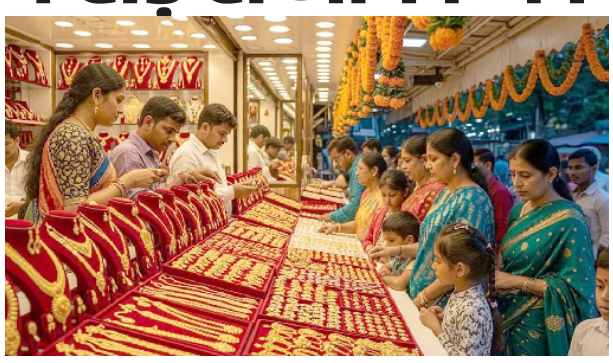
दिवाली के पर्व को लोग निवेश आरंभ करने के लिए सबसे उपयुक्त समय मानते हैं। क्या इस बार भी निवेशकों को मिलेगा फायदा? जानें पिछले 10 सालों के प्रदर्शन और इस साल की संभावनाएं। दिवाली के पर्व को लोग निवेश आरंभ करने के लिए सबसे उपयुक्त समय मानते हैं। इस दिन नए संवत का आरंभ होता है। दिवाली 2026 से संवत 2083 की शुरुआत होगी। इसी कारण इस दिन को निवेश आरंभ करने के लिए



शुभ माना जाता है। जैसा हर साल होता है, इस बार भी भारतीय शेयर बाजार में स्पेशल मुहूर्त ट्रेडिंग का आयोजन किया जाएगा। रविवार, 8 नवंबर को दोपहर 2:20 बजे से 3:30 बजे तक BSE और NSE में यह सांकेतिक ट्रेडिंग होगी। शेयर बाजार में मुहूर्त ट्रेडिंग 2026 की टाइमिंग शेयर बाजार में रविवार को सामान्यतः साप्ताहिक अवकाश होता है, लेकिन मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए इस दिन विशेष विंडो खोली जाती है। इस विशेष सत्र में आम कारोबारी दिनों की तुलना में वॉल्यूम भले ही कम होता है, लेकिन इसका प्रतीकात्मक महत्व अत्यधिक होता है। छोटे और रिटेल निवेशकों से लेकर बड़े संस्थागत निवेशक तक इस दौरान खरीदारी कर अपनी समृद्धि की कामना करते हैं। रविवार, 8 नवंबर को दोपहर 2:20 बजे से 3:30 बजे तक यानी कुल 70 मिनट के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) में कारोबार होगा। बाकी समय के लिए बाजार बंद रहेगा। पिछले 10 मुहूर्त ट्रेडिंग में कैसी रही बाजार की चाल? पिछले 10 वर्षों के ट्रेडिंग सेशन के प्रदर्शन को देखें तो अधिकांश वर्षों में बाजार में तेजी देखी गई है। इन 10 वर्षों में 8 बार निफ्टी हरे निशान पर बंद हुआ है।

धनतेरस पर यूपी के बाजारों में धनवर्षा! 27 हजार करोड़ से अधिक का कारोबारु

सोने की बिक्री लगभग 7,600 करोड़ और चांदी की 2,200 करोड़ रुपये रही। इसके अलावा वाहनों की 1,500 करोड़, बर्तनों की 1,100 करोड़ और अन्य सामान की करीब 700 करोड़ रुपये की बिक्री हुई। सर्राफा बाजार में करीब 10 हजार करोड़ रुपये के कारोबार का है अनुमान कानपुर में लोगों ने की 2,532 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड खरीदारी आगरा में हुआ 600 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार त्योहार और व्यापार एक-दूसरे के पूरक माने जाते हैं। त्योहारों के आते ही बाजारों में रौनक बढ़ती है और कारोबार को नई गति मिलती है। इस धनतेरस के अवसर पर भी ऐसा ही हुआ। उत्तर प्रदेश के बाजारों में जमकर धनवर्षा हुई। सोने-चांदी की बढ़ती कीमतों और महंगाई की आशंकाओं के बावजूद लोगों ने खूब खरीदारी की। शुक्रवार सुबह से ही प्रदेश के बाजारों में ग्राहकों की भारी भीड़ देखने को मिली,



जो देर रात तक जारी रही। व्यापारिक संगठनों के मुताबिक, इस बार उत्तर प्रदेश में करीब 27 हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हुआ। सोना-चांदी, इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन, कपड़े, बर्तन और गिफ्ट आइटम की जमकर बिक्री हुई। वहीं, महीने के पहले सप्ताह में वेतन मिलने का असर भी बाजारों पर दिखा। नौकरीपेशा लोगों ने दिवाली की खरीदारी पर दिल खोलकर खर्च किया। सर्राफा बाजार में ही धनतेरस पर करीब 10 हजार करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान है। इसमें सोने की बिक्री लगभग 7,600 करोड़ और चांदी की 2,200 करोड़ रुपये रही। वहीं, इलेक्ट्रॉनिक्स में 4,400 करोड़, गिफ्ट आइटम में 4,100 करोड़, कपड़ों में 2,400 करोड़ और सजावटी सामान में 2,200 करोड़ रुपये की बिक्री का अनुमान है। इसके अलावा वाहनों की 1,500 करोड़, बर्तनों की 1,100 करोड़, ओडीओपी उत्पादों की 900 करोड़ और अन्य सामान की करीब 700 करोड़ रुपये की बिक्री हुई। कानपुर के बाजारों में जमकर लक्ष्मी बरसी वर्ष 2026 में पिछले साल के मुकाबले 532 करोड़ रुपये अधिक यानी कुल 2,532 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। कार, बाइक और ईवी की 1,300 करोड़, सोना-चांदी व डायमंड की 470 करोड़ और मेवा-मिठाई व गिफ्ट आइटम की 305 करोड़ रुपये की बिक्री हुई। बाजार देर रात तक गुलजार रहे और लोगों ने जमकर खरीदारी की। झांसी में 3 अरब रुपये का कारोबार झांसी के बाजारों में करीब 3 अरब रुपये का कारोबार हुआ। इलेक्ट्रॉनिक्स में 125 करोड़, चार पहिया वाहनों में 60 करोड़, दोपहिया वाहनों में 40 करोड़, सर्राफा बाजार में 25 करोड़ और रियल एस्टेट में 35 करोड़ रुपये की बिक्री हुई।

धनतेरस पर खरीदारी का उत्साह, बाजारों में ग्राहकों की भीड़; देश में ₹1.25 लाख करोड़ के व्यापार का अनुमान

धनतेरस पर देशभर में खरीदारी का जबरदस्त उत्साह। सोने-चांदी, ऑटोमोबाइल और पारंपरिक वस्तुओं की बिक्री से 1.25 लाख करोड़ के व्यापार का अनुमान।

धनतेरस पर मुंबई महानगर सहित देशभर में खरीदारी का भारी उत्साह देखने को मिला। महंगाई के बावजूद अधिकांश खुदरा बाजारों में खरीदारी के लिए ग्राहकों की भीड़ दिखी। माता लक्ष्मी एवं भगवान गणेश की मूर्तियों सहित अन्य वस्तुओं की जमकर खरीद हुई। शुक्रवार को धनतेरस पर मुंबई महानगर सहित देशभर में खरीदारी का भारी उत्साह देखने को मिला। महंगाई के बावजूद अधिकांश खुदरा बाजारों में ग्राहकों का तांता लगा रहा और सोने-चांदी, ऑटोमोबाइल, बर्तन, रसोई के सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली के उपकरण, मेवे, मिठाई, माता लक्ष्मी एवं भगवान गणेश की मूर्तियों सहित अन्य शुभ वस्तुओं की जमकर खरीदी की। व्यापार महासंघ 'कैट' के आरंभिक अनुमान के मुताबिक, इस साल देश भर में धनतेरस के शुभ अवसर पर करीब 10 से 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ कुल 1.25 लाख करोड़ से अधिक का रिकॉर्ड व्यापार होने का अनुमान है. जबकि अकेले मुंबई महानगर क्षेत्र



(एमएमआर) में करीब 11,000 करोड़ रुपये के कारोबार दर्ज हुआ। सोना-चांदी में मंदी का उठाया फायदा धनतेरस पर सर्राफा बाजारों में भी अच्छी बिक्री हुई। पिछले एक माह में सोना-चांदी में 5 से 15 प्रतिशत की बड़ी गिरावट से ग्राहकों का उत्साह बढ़ा और मंदी का फायदा उठाते हुए लोगों ने सोने के आभूषण, चांदी के बर्तन और सिक्कों की खरीदी कर कीमती धातुओं में शुभ अवसर पर निवेश किया। जिससे देशभर में अकेले सोने और चांदी का कारोबार 66,000 करोड़ से अधिक रहने का अनुमान है, जबकि मुंबई के बुलियन बाजारों में 6,500 करोड़ से अधिक का व्यापार दर्ज होने का अनुमान है। वैल्यू के हिसाब से पिछले साल के मुकाबले 15 से 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पारंपरिक बाजार त्योहारी उत्साह के प्रमुख केंद्र कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि इस बार खरीदारी का उत्साह केवल बड़े शॉपिंग मॉल और आधुनिक रिटेल प्रतिष्ठानों तक सीमित नहीं रहा। देशभर के पारंपरिक बाजारों, ज्वेलरी बाजारों, बर्तन बाजारों, ऑटोमोबाइल शोरूम, इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट और स्थानीय दुकानों में ग्राहकों की भारी भीड़ और शानदार व्यापारिक गतिविधियां देखने को मिली हैं। खंडेलवाल ने कहा कि धनतेरस की विशेषता यह है कि इसका आर्थिक प्रभाव केवल सोने-चांदी तक सीमित नहीं है. इस दिन तांबे, चांदी और स्टील के नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है. वहीं, पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार झाड़ू खरीदने को दरिद्रता और नकारात्मकता दूर करने तथा मां लक्ष्मी के आगमन का प्रतीक माना जाता है। आधुनिक समय में धनतेरस मोबाइल फोन, लैपटॉप, टैबलेट, टेलीविजन, घरेलू उपकरणों, बिजली के सामान, ऑटोमोबाइल और अन्य आधुनिक उपभोक्ता वस्तुओं की खरीदारी का भी एक बड़ा अवसर बन गया है। अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र को गति देने वाला पर्व कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री शंकर ठक्कर ने कहा कि इस वर्ष त्योहारी कारोबार में आई उल्लेखनीय तेजी के पीछे जीएसटी दरों में की गई महत्वपूर्ण कटौती और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वदेशी अपनाओ' के आह्वान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उपभोक्ताओं में भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है, जिससे देश के घरेलू निर्माताओं, छोटे व्यापारियों, स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों और एमएसएमई क्षेत्र को बड़ा लाभ मिला है। धनतेरस पर ज्वेलरी उद्योग में अच्छी शुरुआत ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल के अध्यक्ष राजेश रोकड़े ने कहा कि आज पूरे भारत में लगभग 60,000 करोड़ रुपये का स्वर्ण कारोबार हुआ है, ऐसा हमारा प्रारंभिक अनुमान है।

पृष्ठ 1/8 का शेष

ठाणे से झारखंड का 10 लाख का

(ATS) ने ठाणे जिले के ठाकुरली इलाके से झारखंड पुलिस के 10 लाख रुपये के इनामी नक्सली को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान संजय सरजू यादव उर्फ गोदाराम यादव (45) के रूप में हुई है। मूल रूप से झारखंड के पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत देवगण गांव का रहने वाला संजय सरजू यादव नक्सल संगठन में जोनल कमिटी का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है। गुप्त सूचना के आधार पर हुई कार्रवाई महाराष्ट्र एटीएस के वरिष्ठ अधिकारियों को पुख्ता इनपुट मिला था कि झारखंड पुलिस द्वारा वॉन्टेड और 10 लाख रुपये का इनामी नक्सली ठाणे जिले के घनी आबादी वाले ठाकुरली इलाके में लंबे समय तक छिपने की नीयत से शरण लिए हुए है। सूचना मिलते ही एटीएस के उच्चाधिकारियों ने तुरंत अपनी लोकल यूनिट को अलर्ट किया और जमीन पर खुफिया तंत्र को सक्रिय कर दिया। एटीएस की विशेष टीम ने बिना कोई वक्त गंवाए ठाकुरली क्षेत्र में संभावित ठिकानों पर निगरानी बढ़ाई और सूचना की सत्यता की पुष्टि की। ठाकुरली में पिछले 10 दिनों से काट रहा था फरारी पुष्टि के बाद एटीएस ने ठाकुरली स्थित संदिग्ध ठिकाने पर दबिश दी देकर ईनामी नक्सली को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह पुलिस और सुरक्षा बलों की नजरों से बचने के लिए पिछले 10 दिनों से ठाणे जिले के इसी इलाके में छिपकर अपनी पहचान बदलकर रह रहा था। वह यहां रहकर अपने नेटवर्क को फिर से संगठित करने या सुरक्षित ठिकाना तलाशने की फिराक में था। झारखंड पुलिस को सौंपा गया आरोपी महाराष्ट्र एटीएस की हिरासत में शुरुआती पूछताछ पूरी होने के बाद, महाराष्ट्र पुलिस ने इसकी आधिकारिक सूचना झारखंड पुलिस को दी। कानूनी और प्रशासनिक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद आरोपी संजय सरजू यादव को आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए झारखंड पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। झारखंड पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड पर अपने साथ ले गई है, जहां उससे राज्य में हुए कई नक्सली मामलों, हथियारों की तस्करी और अन्य सहयोगियों के बारे में गहन पूछताछ की जाएगी। इस गिरफ्तारी को सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

दिवाली पर महावितरण का बड़ा

मीटर का विकल्प चुनेंगे, उन्हें मूल बकाया राशि पर अतिरिक्त पांच प्रतिशत छूट दी जाएगी। पुनः बिजली कनेक्शन भी मिलेगा योजना के अंतर्गत बकाया भुगतान करने वाले ग्राहकों की मांग पर बिजली आपूर्ति तत्काल दोबारा शुरू करने की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए पुनः कनेक्शन शुल्क तथा लघुदाब ग्राहकों का सर्विस कनेक्शन शुल्क पूरी तरह माफ रहेगा। योजना का लाभ महावितरण के पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन लिया जा सकता है। 7,650 करोड़ रुपये का बकाया महावितरण के अनुसार, 31 मार्च 2026 तक स्थायी रूप से बिजली आपूर्ति खंडित हुए 34 लाख 86 हजार ग्राहकों पर कुल 7,650 करोड़ रुपये बकाया हैं। इसमें 2,092 करोड़ रुपये ब्याज और विलंब शुल्क के रूप में माफ किए जाएंगे। वहीं, 31 दिसंबर 2025 तक अस्थायी रूप से बिजली आपूर्ति खंडित हुए 2 लाख 60 हजार 829 ग्राहकों पर 488.78 करोड़ रुपये बकाया हैं, जिसमें से 163.93 करोड़ रुपये का ब्याज माफ होगा।टोरेंट पावर कंपनी के साथ ही महावितरण ने पात्र ग्राहकों से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि में अभय योजना का लाभ उठाकर अपने पुराने बिजली बिलों का निपटारा करें और ब्याज व मूल बकाया में मिलने वाली छूट का फायदा उठाएं।

फर्जी एनकाउंटर डर: तिहाड़ से

करते हुए सुरक्षा संबंधी निर्देश जारी किए हैं। कोर्ट ने सुरक्षा के लिए दिए विशेष निर्देश 3 नवंबर को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सौरभ प्रताप सिंह ललेर ने इस मामले में आदेश पारित किया। अदालत ने जेल अधिकारियों को निर्देश दिया कि दीपक उर्फ तीतर और योगेश उर्फ टंडा को शामली के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (CJM) की अदालत में पेशी के दौरान हथकड़ी, बेड़ियां और बुलेटप्रूफ जैकेट उपलब्ध कराई जाएं। वापसी के दौरान भी सुरक्षा के यही इंतजाम बनाए रखने होंगे। फर्जी एनकाउंटर का सता रहा डर सुनवाई के दौरान आरोपियों के वकील ने अदालत को बताया कि दोनों को आशंका है कि उत्तर प्रदेश पुलिस उनका फर्जी एनकाउंटर कर सकती है। अदालत के आदेश में यह भी दर्ज किया गया कि आरोपियों ने स्वयं अपनी सुरक्षा के लिए हथकड़ी और बेड़ियां लगाने का अनुरोध किया था। कोर्ट ने जेल अधिकारियों और संबंधित पुलिस उपायुक्त को निर्देश दिया कि दिल्ली से शामली तक पूरे सफर और अदालत में पेशी के दौरान आरोपियों को पूरी सुरक्षा दी जाए। साथ ही रास्ते में किसी भी अप्रिय घटना से बचाव सुनिश्चित करने को कहा गया।

छठ और दिवाली पर दिल्ली-एनसीआर

सुनिश्चित करना है। होल्डिंग एरिया और अतिरिक्त टिकट काउंटर की व्यवस्था नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए अलग-अलग होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। आरक्षित और अनारक्षित टिकट वाले यात्रियों के लिए अलग प्रतीक्षा व्यवस्था की गई है। आनंद विहार टर्मिनल पर भी यात्रियों को व्यवस्थित तरीके से प्लेटफॉर्म तक पहुंचाया जा रहा है। यहां अतिरिक्त टिकट काउंटर, बैठने की जगह, पेयजल और खानपान की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। सुरक्षा के लिए 1300 अतिरिक्त जवान तैनात यात्रियों की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए उत्तर रेलवे ने प्रमुख स्टेशनों पर 1300 अतिरिक्त रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवान तैनात किए हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 700 से अधिक एआई आधारित कैमरों से निगरानी की जा रही है। इसके अलावा पुलिस, सीसीटीवी कैमरे, बैरिकेडिंग और अतिरिक्त सुरक्षा बलों की मदद से यात्रियों की आवाजाही पर नजर रखी जा रही है।

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई
CITY NEWS MUMBAI
रविवार , 08 नवंबर 2026, ठाणे, मुंबई

दिवाली पर महावितरण का बड़ा तोहफा,भिवंडी में बकाया बिजली बिल पर सौ फीसदी ब्याज माफ

अभय योजना 2026-27 शुरू; एकमुश्त भुगतान करने पर मूल बकाया में 20 प्रतिशत तक की छूट

सिटी न्यूज़ मुंबई/गनी खान

दिवाली के अवसर पर महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी (महावितरण) ने बकाया बिजली बिल वाले ग्राहकों को बड़ी राहत दी है। महावितरण की ओर से 'अभय योजना 2026-27' शुरू की गई है। 6 नवंबर 2026 से लागू हुई यह योजना 15 जनवरी 2027 तक जारी रहेगी। इसके तहत बकाया बिजली बिल पर लगने वाला 100 प्रतिशत ब्याज और विलंब शुल्क माफ किया जाएगा। वहीं, एकमुश्त भुगतान करने वाले पात्र ग्राहकों को मूल बकाया राशि में 20 प्रतिशत तक की छूट भी मिलेगी। योजना के तहत लघुदाब बिजली ग्राहकों को बकाया अवधि के अनुसार 10 से 20 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। तीन वर्ष तक बिजली आपूर्ति खंडित रहने वाले ग्राहकों को 10 प्रतिशत और तीन वर्ष से



अधिक समय से खंडित ग्राहकों को 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। अन्य लघुदाब और उच्चदाब ग्राहकों के लिए भी निर्धारित शर्तों के अनुसार 10 से 15 प्रतिशत तक की छूट का प्रावधान है।जो ग्राहक एकमुश्त भुगतान करने में असमर्थ हैं, उनके लिए भी राहत दी गई है। लघुदाब ग्राहक 50 प्रतिशत डाउन पेमेंट कर शेष राशि छह समान ब्याजमुक्त किस्तों में जमा कर सकते हैं। वहीं, उच्चदाब ग्राहकों को तीन से छह किस्तों में भुगतान की सुविधा मिलेगी। 15 दिसंबर तक भुगतान करने वालों को अतिरिक्त लाभ महावितरण ने योजना के शुरुआती चरण में भुगतान करने वाले ग्राहकों के लिए अर्ली बर्ड रिबेट की घोषणा की है। 15 दिसंबर 2026 तक एकमुश्त भुगतान करने वालों को अतिरिक्त छूट मिलेगी। इसके अलावा 20 किलोवाट तक के ऐसे ग्राहक, जो प्रीपेड स्मार्ट ...शेष 7 पर

फर्जी एनकाउंटर डर: तिहाड़ से शामली ले जाए जाने पर दो गैंगस्टरों ने मांगी हथकड़ी-बेड़ियां और बुलेटप्रूफ जैकेट



यूपी पुलिस के फर्जी एनकाउंटर की आशंका जताकर आरोपियों ने अदालत से सुरक्षा मांगी। पटियाला कोर्ट ने गैंगस्टरों के लिए हथकड़ी, बेड़ियां और बुलेटप्रूफ जैकेट के इंतजाम का दिया आदेश है। गैंगस्टरों ने तिहाड़ से शामली ले जाते समय हथकड़ी-बेड़ियां पहनाने की लगाई गुहार दीपक उर्फ तीतर और योगेश उर्फ टंडा को बुलेटप्रूफ जैकेट पहनाकर ले जाने के निर्देश अंकित बालियान की हत्या के पीछे गाने के बोल को लेकर गैंग की नाराजगी का शक उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा कथित फर्जी मुठभेड़ किए जाने की आशंका जताते हुए तिहाड़ जेल में बंद दो गैंगस्टरों ने अदालत से अपनी सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम करने की मांग की है। आरोपियों ने दिल्ली की तिहाड़ जेल से उत्तर प्रदेश के शामली स्थित अदालत तक ले जाते समय हाथों में हथकड़ी, पैरों में बेड़ियां और बुलेटप्रूफ जैकेट पहनाने की मांग की थी। पटियाला हाउस कोर्ट ने उनकी मांग स्वीकार ...शेष 7 पर

कांदिवली में मेफेड्रोन ड्रग्स रैकेट का पर्दाफाश, दो आरोपी तमिलनाडु से गिरफ्तार; लाखों का माल जब्त

मुंबई, (सिटी न्यूज़ मुंबई)

मुंबई के कांदिवली इलाके में समतानगर पुलिस ने मेफेड्रोन (MD) ड्रग्स तस्करी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 239 ग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 9.99 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, समतानगर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कांदिवली पूर्व के भाजीवाड़ी, बिहारी टेकड़ी, पोईसर इलाके में मेफेड्रोन ड्रग्स की बिक्री की जा रही है। इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाकर कार्रवाई की। इस दौरान आरोपी माला हरिश्चंद्र राय, अविनाश मोहननाथ झा उर्फ लोटा और पूजा राय के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान



पुलिस को आरोपियों के मोबाइल फोन की तकनीकी जांच से जानकारी मिली कि माला राय और अविनाश उर्फ लोटा तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में छिपे हुए हैं। इसके बाद पुलिस की एक टीम तमिलनाडु पहुंची और 26 अक्टूबर 2026 को दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचानः * माला हरिश्चंद्र राय (27 वर्ष) – निवासी रामशंकर सिंह चॉल, भाजीवाड़ी, गांधेवली रोड, पोईसर, कांदिवली पूर्व, मुंबई। * अविनाश मोहननाथ झा उर्फ लोटा (35 वर्ष) – निवासी जांगिड़ सिंह चॉल, भाजीवाड़ी, बिहारी टेकड़ी, पोईसर, कांदिवली पूर्व, मुंबई। पुलिस की कार्रवाई में 239 ग्राम मेफेड्रोन, जिसकी अनुमानित कीमत 9.99 लाख रुपये है, नकदी और वजन करने का कांटा भी जब्त किए जाने का उल्लेख है। इसके अलावा आरोपियों से जुड़े ठिकाने से 2.50 लाख रुपये नकद जब्त किए जाने की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 8(सी), 22(सी) और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई अपर पुलिस आयुक्त, पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त तथा समतानगर पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस अधिकारियों और जांच टीम के प्रयासों से इस ड्रग्स मामले में आरोपियों तक पहुंचने में सफलता मिली। ्रग्स के खिलाफ मुंबई पुलिस की इस कार्रवाई से नशे के कारोबार पर शिकंजा कसने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

छठ और दिवाली पर दिल्ली-एनसीआर रेलवे स्टेशनों पर उमड़ी भारी भीड़, 18 हजार स्पेशल ट्रेनों का संचालन

दीपावली और छठ पर घर लौटने वालों की बढ़ी भीड़ है। दिल्ली के छह प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री बंद कर दी गई है। सुरक्षा के लिए 1300 अतिरिक्त जवान तैनात हैं। त्योहारी भीड़ को देखते हुए 3 से 14 नवंबर तक छह प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर रोक नई दिल्ली और आनंद विहार स्टेशन पर यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर और पेयजल सहित अन्य सुविधाओं की व्यवस्था दिवाली और छठ पर यात्रियों की सुविधा के लिए देशभर में करीब 18 हजार विशेष ट्रेनें चलाने की तैयारी, सुरक्षा के लिए



1300 अतिरिक्त आरपीएफ जवान तैनात दीपावली और छठ महापर्व को लेकर दिल्ली-एनसीआर के रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। त्योहारों पर अपने घर जाने के लिए बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर, छात्र और नौकरीपेशा लोग रेलवे स्टेशनों का रुख कर रहे हैं। खासकर बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और पूर्वी भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। नई दिल्ली, आनंद विहार, पुरानी दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की आवाजाही को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं। छह स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री बंद त्योहारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए उत्तर रेलवे ने दिल्ली-एनसीआर के छह प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 3 से 14 नवंबर तक प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री बंद कर दी है। इनमें नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल, हजरत निजामुद्दीन, गाजियाबाद और दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन शामिल हैं। इस कदम का उद्देश्य प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ को कम करना और यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही ...शेष 7 पर

ठाणे से झारखंड का 10 लाख का इनामी नक्सली गिरफ्तार, 10 दिनों से ठाकुरली में छिपा बैठा था आरोपी



महाराष्ट्र एटीएस ने ठाणे के ठाकुरली इलाके से 10 लाख रुपये के इनामी नक्सली संजय सरजू यादव को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले 10 दिनों से यहां छिपा हुआ था। ठाणे से 10 लाख का इनामी नक्सली संजय सरजू यादव गिरफ्तार महाराष्ट्र एटीएस और झारखंड पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में ठाकुरली से गिरफ्तारी। पिछले 10 दिनों से ठाणे के एक गुप्त ठिकाने पर छिपकर रह रहा था नक्सली। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते ...शेष 7 पर

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्या लय- धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्या लय- शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486